

फर्द अहकाम

बनाम

नाम न्यायालय
केस संख्या

शंजरेगिरि वरुण मत्तयागिरि

6/2024

नाम न्यायालय

उभय पक्ष का नाम

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष टिप्पणी
	26/8/24	<p>व. वाशि डण्ड परिवार के व. इ. वा. म. रि. रि. रि. के व. व. व. के व. व. से अधिक सभ्य व. युक्त हैं। अतः इनके लालियु गन्नी पत्र इनके फिंछु एनपत्रिय कार्यवाही क्रम में लानी जाती है (प्रावली) वास्तु लाभ्य वाशि है व. डिग्री 19/9/24 के पत्र है।</p>	
	19/9/24	<p>प्रावली पेश हुई। न्यायालय को सभ्य सभ्य होने तक वकील वाशि के बार-बार आवान-डिवाही जारी। वकील वाशि असलतक व वकालत न्यायस्थित है अतः प्रावली अदक धारि-प्रथम पंजी में स्थापित की जाती है प्रावली इन नामों से कर-वां डायिल इच्छा है।</p> <p>सहायक कलक्टर चौमू चौमू, जयपुर (जानीगा)</p>	